

## Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 13 जुलाई, 2021

### कोंगु नाडू: तमलिनाडु

हाल ही में तमलिनाडु में 'कोंगु नाडू' क़्षेत्र को लेकर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। वदिति हो कि 'कोंगु नाडु' न तो पनि कोड वाला कोई स्थान है और न ही कसिी क़्षेत्र को औपचारिक रूप से दयािा गया कोई नाम है। इसे प्रायः पश्चिमी तमलिनाडु के हसिसे को इंगति करने के लयि प्रयोग कया जाता है। तमलि साहतिय में इसे प्राचीन तमलिनाडु के पाँच क़्षेत्रों में से एक के रूप में संदर्भति कया गया था। साथ ही संगम साहतिय में भी एक अलग क़्षेत्र के रूप में 'कोंगु नाडु' का उल्लेख मलिता है। वर्तमान तमलिनाडु राज्य में इस नाम का उपयोग अनौपचारिक रूप से एक ऐसे क़्षेत्र को संदर्भति करने के लयि कया जाता है जसिमें नीलगरि, कोयंबटूर, तरिपुर, इरोड, करूर, नमककल और सलेम ज़लि शामिल हैं, साथ ही इसमें डडिगुल ज़लि के ओड्डनछत्रम एवं वेदसंदूर क़्षेत्र तथा धर्मपुरी ज़लि में पप्पीरेड्डीपट्टी क़्षेत्र भी शामिल हैं। यह नाम ओबीसी समुदाय 'कोंगु वेल्लालर गौंडर' से लयािा गया है, जनिकी इन ज़लिों में महत्त्वपूर्ण उपस्थति है। इस क़्षेत्र में नमककल, सलेम, तरिपुर और कोयंबटूर जैसे प्रमुख वयावसायिक व औद्योगिक केंद्र भी शामिल हैं। हाल ही में मंत्रिमंडल वसितार के दौरान जनि नए मंत्रयिों के नाम की सूची जारी की गई है, उसमें तमलिनाडु से आने वाले मंत्रयिों के नाम के साथ ज़लि के स्थान पर 'कोंगु नाडु' नाम दयािा गया है, जो कसि वयं में एक ज़लिा नहीं है। ऐसे में सरकार पर तमलिनाडु में क़्षेत्रवाद को बढ़ावा देने और राज्य को दो हसिसे में वभिजति करने का आरोप लगाया जा रहा है।

### राष्ट्रीय डॉलफनि अनुसंधान केंद्र

इस वर्ष मानसून के पश्चात् लुप्तप्राय गंगा डॉलफनि के संरक्षण के लयि एक महत्त्वपूर्ण कदम के रूप में बहुप्रतीक्षति राष्ट्रीय डॉलफनि अनुसंधान केंद्र (NDRC) के नरिमाण का कार्य शुरू कया जाएगा। ज्ञात हो कि बिहार शहरी विकास वभिाग ने गंगा से लगभग 200 मीटर की दूरी पर NDRC के भवन के नरिमाण की मंजूरी दी है। गौरतलब है कि बिहार में इस अनुसंधान केंद्र का नरिमाण इस लहाज़ से भी महत्त्वपूर्ण है कि बिहार में वशि्व की गंगा डॉलफनि आबादी का 50 प्रतिशत हसिसा मौजूद है। यह केंद्र डॉलफनि के संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा देने के साथ-साथ उसके बदलते व्यवहार, उत्तरजीवति कौशल, भोजन की आदतों, मृत्यु के कारणों और अन्य वभिनिन पहलुओं पर गहन शोध का अवसर प्रदान करेगा। गंगा डॉलफनि को वर्ष 2009 में भारत सरकार द्वारा 'राष्ट्रीय जलीय जीव' के रूप में मान्यता दी गई थी। इसे 'वन्य जीवन (संरक्षण) अधनियिम' के तहत अनुसूची-1 में शामिल कया गया है। [इंटरनेशनल युनियन फॉर कंज़रवेशन ऑफ नेचर](#) (IUCN) द्वारा इसे लुप्तप्राय प्रजाति घोषति कया गया है। गंगा डॉलफनि दुनया की चार 'फ्रेश वाटर' डॉलफनि प्रजातयिों में से एक है। अन्य तीन प्रजातयिों चीन की यांगत्ज़ी नदी (अब वलुिप्त), पाकसितान में सधु नदी और दक्षणि अमेरिका में अमेज़न नदी में पाई जाती हैं।

### नेपाल के नए प्रधानमंत्री: शेर बहादुर देउबा

हाल ही में नेपाल के सर्वोच्च न्यायालय ने संसद के नचिले सदन प्रतिनिधि सभा को बहाल कर दयािा है और राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी को नेपाली कॉन्ग्रेस के प्रमुख 'शेर बहादुर देउबा' को देश का प्रधानमंत्री नियुक्त करने का आदेश दयािा है। आदेश के मुताबकि, शेर बहादुर देउबा को अपनी नियुक्ति के एक माह के भीतर सदन में वशिवास मत हासलि करना होगा। बीते पाँच माह में यह दूसरी बार है जब न्यायालय ने सदन को बहाल कया है। फरवरी माह में भी न्यायालय द्वारा इसी प्रकार की कार्रवाई की गई थी। गौरतलब है कि बीते दनिों 21 मई को प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली की सफिरशि पर संसद भंग कर दी गई थी और छह महीने में नए चुनाव कराने का आदेश दयािा था। इसके पश्चात् नई सरकार के गठन के लयि न तो के.पी. शर्मा ओली और न ही वपिक्ष बहुमत प्रदर्शति करने में सफल हो पाए थे। नेपाली कॉन्ग्रेस के प्रमुख शेर बहादुर देउबा का जन्म 13 जून, 1946 को नेपाल के सुदूर पश्चिमी क़्षेत्र के दडेलहुरा ज़लि में हुआ था। वर्ष 1971 में उन्होंने नेपाल छात्र संघ की स्थापना की और उसके अध्यक्ष बने तथा वर्ष 1980 तक इस पद पर रहे। वर्ष 1896 में उन्होंने 'नेपाली कॉन्ग्रेस डेमोक्रेटिक पार्टी' का गठन कया। शेर बहादुर देउबा के पास बेहतरीन राजनीतिक अनुभव है और इस बार वे पाँचवीं बार प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे।

### यूरो कप 2020

हाल ही में इटली ने इंग्लैंड को हराकर दूसरी बार यूरोपीय चैपियनशिपि जीत ली है। इससे पहले इटली की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ने वर्ष 1968 में यूगोस्लाविया को हराकर यूरोपीय चैपियनशिपि का खतिब जीता था। इसके अलावा इटली ने वर्ष 2000 और वर्ष 2012 में भी यूरोपियन चैपियनशिपि के फाइनल में क्वालीफाई कया था, कति वह फाइनल मुकाबले में जीत हासलि नहीं कर पाई थी। वही इंग्लैंड बीते 55 वर्षों में अपना पहला फाइनल मुकाबला खेल रहा था। यूरोपीय चैपियनशिपि (जसि 'यूरो कप' के रूप में भी जाना जाता है) 'यूरोपीय फुटबॉल संघ समूह' के सदस्य देशों के बीच आयोजति एक चतुरभुज फुटबॉल (सॉकर) टूर्नामेंट है। 'यूरो कप' अथवा 'यूरोपीय चैपियनशिपि' को 'फीफा वशि्व कप' के बाद वशि्व के दूसरे सबसे महत्त्वपूर्ण फुटबॉल टूर्नामेंट के रूप में जाना जाता है। यूरोपीय चैपियनशिपि (जसि तब 'यूरोपीय राष्ट्र कप' के रूप में जाना जाता था) का आयोजन पहली बार वर्ष 1960 में कया गया था।

